

Padma Shri



ACHARYA SHRI CHANDANAJI

Acharya Shri Chandanaji is a vibrant and energetic 85-year-old Jain Sadhvi, who has touched millions of lives worldwide. As the founder and spiritual head of Veerayatan, she leads this international charitable organisation which was established over 50 years ago in the state of Bihar, India. Her mission is to transform lives through Seva (selfless service), Shiksha (education) and Sadhana (spirituality). She was given the prestigious title of Acharya in 1987, the first ever Jain Sadhvi to be bestowed this position in the Jain ascetic community since the time of Bhagwan Mahavir.

2. Born on 26th January 1937, Acharya Chandanaji's spiritual journey began when she renounced at the age of 14. After renunciation, she committed herself to a 12-year vow of silence. During this period, she extensively studied Jain, Buddhist and Vedic scriptures and obtained many degrees including Darshanacharya from Bhartiya Vidya Bhavan and the title of Shastri in the subjects of Navya-Nyaya and Vyakaran from Banaras Hindu University.

3. Acharya Chandanaji paramount aim is to provide education as she feels that this is the only way to break the cycle of generational poverty. With the proclamation "Where there is a temple, there must be a school", she aims to create good quality schools at every pilgrimage site. In the last twenty years, she has established state of the art educational centres in Bihar, Gujarat, Rajasthan, Nepal and many other places. With her goal to educate and empower young people, many higher education institutions have also been established in rural India. Till date over 200,000 children and youth have benefitted through these educational programs. Healthcare initiatives such as eye hospitals in Bihar and Palitana provide excellent medical services to the local population with 3.5 million people treated and 350,000 eye surgeries undertaken. Her deep compassion has led to the initiation of numerous emergency relief programs in the aftermath of natural calamities such as the Kutch and Nepal earthquakes, floods, tsunami and, most recently, the Covid-19 pandemic.

4. A multidimensional personality, Acharya Chandanaji is admired as a deep thinker and writer on Jain philosophy. She is also a talented artist who has created a beautiful museum in Rajgir, Bihar. She has inspired and spiritually guided thousands of people not just in India but also internationally through establishment of various spiritual centres and regular travels.

5. Acharya Chandanaji has been bestowed many honours and accolades over the years for her outstanding contribution to humanity. These include the Mahavir Foundation award; Shri Devi Ahilya National Award; The JAINA Presidential Award; and the Saint of Modern India and Suryadatta National Lifetime Achievement Award. She also received two accolades from the State of New York.

पद्म श्री



आचार्य श्री चन्दनाजी

85 वर्षीय आचार्य श्री चन्दनाजी सक्रिय और ऊर्जावान जैन साध्वी हैं, जिन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों के जीवन को आलोकित किया है। वे वीरायतन की संस्थापक और आध्यात्मिक प्रमुख हैं, जिसे उन्होंने 50 साल पहले भारत के बिहार राज्य में स्थापित किया गया था। उनका मिशन सेवा, शिक्षा और साधना के माध्यम से जीवन को बदलना है। उन्हें 1987 में आचार्या की प्रतिष्ठित उपाधि दी गई, वह भगवान महावीर के समय से जैन तपस्वी समुदाय में यह पद पाने वाली पहली जैन साध्वी हैं।

2. 26 जनवरी, 1937 को जन्मी आचार्य चन्दनाजी की आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत 14 वर्ष की आयु में सन्यास ग्रहण करने के साथ हुई और उन्होंने 12 वर्ष का मौन व्रत लिया। इस अवधि के दौरान, उन्होंने जैन, बौद्ध और वैदिक शास्त्रों का वृहद् अध्ययन किया और भारतीय विद्या भवन से दर्शनाचार्य और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से नव्य-न्याय और व्याकरण के विषयों में शास्त्री की उपाधि प्राप्त की।

3. आचार्य चन्दनाजी का सर्वोपरि उद्देश्य शिक्षा प्रदान करना है क्योंकि उन्हें लगता है कि पीढ़ी दर पीढ़ी गरीबी के चक्र को तोड़ने का यही एकमात्र तरीका है। "जहां भी मंदिर है, वहां एक स्कूल भी होना चाहिए" की घोषणा के साथ, उनका लक्ष्य प्रत्येक तीर्थ स्थल पर अच्छी गुणवत्ता वाले स्कूल बनाना है। पिछले बीस वर्षों में, उन्होंने बिहार, गुजरात, राजस्थान, नेपाल और कई अन्य स्थानों पर अत्याधुनिक शैक्षिक केंद्रों की स्थापना की है। युवाओं को शिक्षित और सक्षम बनाने के उनके लक्ष्य के साथ, ग्रामीण भारत में कई उच्च शिक्षा संस्थान भी स्थापित किए गए हैं। उनके प्रयासों से अब तक, 200,000 से अधिक बच्चे और युवा इन शैक्षिक कार्यक्रमों से लाभान्वित हो चुके हैं। बिहार और पलिताना में नेत्र अस्पताल जैसी स्वास्थ्य सुविधाएँ स्थानीय आबादी को उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं प्रदान करती हैं, जिनमें 35 लाख लोगों का इलाज किया गया है और 350,000 आंखों की सर्जरी की गई है। उन्होंने गहरी करुणा से कच्छ और नेपाल के भूकंप, बाढ़, सूनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के बाद और, हाल ही में, कोविड -19 महामारी के दौरान कई आपातकालीन राहत कार्यक्रम संचालित किए हैं।

4. एक बहुआयामी व्यक्तित्व, आचार्य चन्दनाजी को जैन दर्शन पर एक गहन विचारक और लेखक माना जाता है। वह एक प्रतिभाशाली कलाकार भी हैं जिन्होंने बिहार के राजगीर में एक सुंदर संग्रहालय बनाया है। उनकी विभिन्न आध्यात्मिक केंद्रों की स्थापना और नियमित यात्राओं के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हजारों लोगों को प्रेरित किया है और उनका आध्यात्मिक मार्गदर्शन किया है।

5. आचार्य चन्दनाजी को मानवता के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कई सम्मानों और प्रशंसापत्रों से सम्मानित किया गया है। इनमें महावीर फाउंडेशन पुरस्कार; श्री देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार; जैन प्रेसिडेंशियल पुरस्कार; आधुनिक भारत के संत और सूर्यदत्त राष्ट्रीय लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें न्यूयॉर्क राज्य से भी दो सम्मान मिले हैं।